%%A. D. 1190 ― 1435

%%(From 5-2-1310 To 7-4-1353 A.D.)

%% p. 476

NO. 271

Lakshmī Narasiṃha Temple at Siṃhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 891; A. R. No. 289-F of 1899 )

Ś. 1275

(१।) स्वस्ति श्री शाकाद्दे भा(वा)ण-शैल ग्रहपतिगणिते मासि वैशाख सं(स)ज्ञे शुद्धे

(२।) पक्षे तृतीयायुत रविदिवसे<2> श्रीनृसिहस्य नित्यं दीपप्रज्वालनार्त्थं

(३।) हरिशिखरिपतेस्सन्निधौ नैचिकीनां प्रादात् प चाशतं स्वाभिमतनुतं

(४।) यशो राज्यलक्ष्मीसमृद्यै(द्धयै) । [१] गंगभूपालतनय[ः] श्रीमान्न दापु-

(५।) रेश्वरः । शीलावशो(शा)त् भवो [धी]मा[न्] विश्वनाथमहीपतिः [२] शकवर्षवु-

(६।) लु २७५ गु नेंटि वैशाख शुक्ल तृतीयवु भानुवारमुन(नां)डु

(७।) शीलावशोत्(द्)भवुंडैन नंदपुरपु विश्वनाथराजु तन अभी-

(८।) [ष्टार्त्थ] सिद्धिगानु श्रीनरसिंहनाथु [नि] सन्निधियदु नित्यमुन्नु ओक अ-

(९।) [ख]डदीपमु वेलु गुटकु चिं [ग]पल्लि रामनवोयुनि वशमुन

(१०।) [वेट्टि]न [मी]दालु एभै ५० [ई] [दी]पमु आचंद्रार्क्कस्थाइगा पे-

(११।) … …. … …. … …

<1. In the twenty-first niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 7th April, 1353 A. D., Sunday.>